के पी सक्सेना

इक्को बीबी

हर घर में शादी-ब्याह पर इक्को बीबी अपना बड़ा-सा पानदान सम्भाले मौजूद रहती हैं और हर पन्द्रह मिनट पर एक पान बनाकर ठूँस लेती हैं... किसी की भी शादी हो, मगर इक्को बीबी पैंतीस साल पहले का अपनी शादी का किस्सा ज़रूर सुनाती हैं।

“ऐ बहन! अब भला क्या बरातें रह गई हैं। दस मुर्गियाँ बारात में आ गईं और दाना चुगकर चली गईं। बारात तो हमारी आई थी। हमारे घर से आठ मील दूर हमारे दूल्हे का घर था। इतनी लम्बी बारात थी कि दूल्हा हमारे घर पहुँच गया और बारात का दूसरा सिरा अभी दूल्हा के घर पर ही था। हमारे बाबूजी ने हर बराती को ठहरने के लिए अलग-अलग कोठी का इन्तज़ाम किया था। बरातियों के खाने-पीने और खातिर का तो कहना ही क्या! बरात में आए घोड़ों को थकान उतारने के लिए कई-कई बालटी सन्तरे का रस और नाश्ते में पाँच-पाँच सेर कश्मीरी सेब दिए गए थे। हाथियों के लिए देशी घी के हलवे का इन्तज़ाम था और ऊँटों के लिए आमलेट लाए थे। भगवान झूठ न बुलवाए, लगभग आठ सौ सिर्फ बाजा बजाने वाले थे। इतनी आतिशबाज़ी छूटी थी कि अगले साल तक गाँव में गर्मी बनी रही और लोगों ने जाड़ों में कम्बल उतार फेंके। मिठाइयाँ इतनी काफी बनी थीं कि अब भी पैंतीस साल बाद हमारी शादी के कुछ पेड़े-गुलाबजामनें हमारे मैके में बची पड़ी हों।”

इक्को बीबी की गप्पें सिर्फ ब्याह-शादी में ही उड़ती हों, ऐसी बात नहीं। वे हरेक जीने-मरने में भी जाती थीं। गुल्लन हलवाई के 101 साल के दादा मरे तो भी इक्को बीबी हाज़िर थीं, “ऐ बहन! अब क्या लोग मरते हैं और क्या उनका कफन होता है! सब बेकार। मरे तो हमारे दादा जी थे। एक इतवार को मरना शुरू किया तो कहीं जाकर अगली इतवार को पूरी तरह मरे। कड़कड़ाते जाड़ों के दिन थे सो दादा जी की अर्थी पर पाँच नए कम्बल डाले गए थे ताकि उन्हें मरने के बाद भी ठण्डक न लगने पाए। ऐ बहन! अब आजकल तो लोगों को ठीक से मरना भी नहीं आता! बस लेटे-लेटे हिचकी ली और आउट हो गए। धत्तेरे की!” चक मक

माथा पच्ची

1

एक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 24 बच्चों की एक टोली गई है। तुम्हें इन बच्चों को 6 पंक्तियों में इस तरह खड़ा करना है कि हर पंक्ति में 5 बच्चे हों?

2

क्या तुम केवल दो सीधी लाइन खींचकर इस चित्र को 6 भागों में बाँट सकते हो?

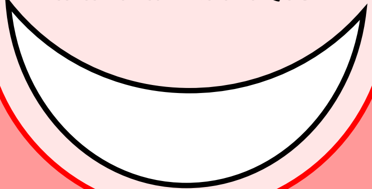

3

जया और उसके दो दोस्तों को हर दिन एक अण्डा चाहिए। उनके पास 3 मुर्गियाँ हैं जो 3 दिनों में 3 अण्डे देती हैं। उन्हें और कितनी मुर्गियाँ चाहिए ताकि हर रोज़ एक-एक अण्डा मिल सके।